सेलाकुई से डूंगा तक बस सेवा की मांग

दिक्कत

ग्रामीणों को हर रोज झेलनी पड़ती है फजीहत

सिटी बस सेवा नहीं होने के चलते छात्र–छात्राओं को तो पैदल ही स्कूल तक जाना पड़ता है। जबकि, अन्य ग्रामीण अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए छोटे वाहन चालकों की मनमानी से परेशान रहते हैं।

विकासनगर। **संवाददाता**

सहसपुर ब्लॉक अंतर्गत सेलाकुई से डूंगा तक सीधी बस सेवा नहीं होने से एक दर्जन से अधिक गांवों के लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लोग छोटे वाहन चालकों की मनमर्जी का शिकार हो रहे हैं। जबकि, इन गांवों के छात्र–छात्राओं को स्कूल तक जाने के लिए करीब आठ किमी की दूरी तय करनी पड़ती है। लोग लंबे समय से इस मार्ग पर सिटी बस के संचालन की मांग करते आ रहे हैं, लेकिन हजारों ग्रामीणों की समस्या की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

सेलाकुई से डूंगा मार्ग पर बहादरपुर, तेलपुरा, पौड़वाला, राजावाला, भगवानपुर, भरतपुर, भाऊवाला, भानवाला, बेलोवाला, डूंगा सहित एक दर्जन से अधिक गांव पड़ते हैं, जिनमें 10 हजार से अधिक आबादी निवास करती है। इन ग्रामीणों को हर दिन सेलाकुई औद्योगिक क्षेत्र व राजधानी में रोजगार के सिलसिले में जाना पड़ता है। जबकि, राइंका सेलाकुई और एसजीआरआर भाऊवाला में आसपास के 6 किमी के दायरे के छात्र–छात्राएं अध्ययन करने आते हैं।

स्थानीय मनमोहन सिंह, रमेश आजाद, प्रमोद कुमार, सावित्री देवी, प्रमिला कुमारी, शबनम, हरमीत सिंह ने बताया कि परिवहन निगम से लेकर क्षेत्रीय विधायक तक से कई बार सिटी बस सेवा शुरू कराने की मांग की गई है। उधर, एसडीएम कौस्तुभ मिश्र ने बताया कि उक्त मार्ग पर सिटी बस सेवा शुरू करने के लिए उचित माध्यम से कार्रवाई की जाएगी।

ओलम्पस हाईस्कूल में छात्र एक्सचेंज कार्यक्रम आयोजित

एक्सचेंज कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थी।

संवाददाता देहरादून। तिब्बती होम्स स्कूल और ओलंपस हाईस्कूल के छात्रों के बीच आज एक छात्र एक्सचेंज कार्यक्रम हुआ। इस अवसर पर बोलते हुए, प्रधानाचार्य अनुराधा पुंडीर मल्ला ने कहा, "छात्र विनिमय कार्यक्रम न केवल दो स्कूलों के छात्रों को एकजुट करता है, बल्कि एक महान शिक्षण अनुभव भी प्रदान करता है। यह विभिन्न संस्कृति, धर्म और भाषा के छात्रों के बीच समझ बनाने का एक प्रभावी तरीका है। "

Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

मौसम से भी नहीं हार रहा डेंगू का मच्छर

राज्य में 183 और लोग डेंगू की चपेट में आए

कहर

बढ़ते मामलों को देख स्वास्थ्य महकमा हलकान

डेंगू का मच्छर अब तक 12 से अधिक मरीजों की जान भी लील चुका है। हालांकि स्वास्थ्य महकमा अपने दस्तावेजों में डेंगू से मरने वाले मरीजों की संख्या महज आठ बता रहा है। डेंगू के बढ़ते मामलों को देख स्वास्थ्य महकमा हलकान है। विभागीय अधिकारियों को सूझ नहीं रहा कि पिछले तीन माह से भी अधिक समय से कहर बरपा रहे मच्छर की सक्रियता को कम करने के लिए क्या उपाय अमल में लाये जाएं। इस बीमारी की रोकथाम व बचाव के लिए अब तक की सभी तैयारियां और इंतजाम धड़ाम ही साबित हुए हैं। मैदान में ही नहीं, बल्कि पहाड़ में भी डेंगू का मच्छर जमकर कहर बरपा रहा है।

संवाददाता

देहरादून। मानसून विदा हो रहा है और मौसम सर्द होता जा रहा है। पर डेंगू का डंक तब भी कमजोर नहीं पड़ रहा है। ताजा रिपोर्ट में राज्य में 183 और लोग डेंगू की चपेट में आए हैं। इनमें सबसे अधिक 80 मरीज देहरादून से हैं। नैनीताल में 52, ऊधमसिंहनगर में 26, हरिद्वार में 19, टिहरी गढ़वाल में पांच और पिथौरागढ़ में एक मरीज में डेंगू की पुष्टि हुई है। इसके बाद प्रदेश में डेंगू पीड़ित मरीजों की संख्या बढ़कर 7260 हो गई है।

जनपद देहरादून में इस बार डेंगू की सबसे ज्यादा मार पड़ी है। अब तक यहां पर 4194 मरीजों में डेंगू की पुष्टि हो चुकी है। वहीं नैनीताल में भी 2173, उधमसिंहनगर में 408, हरिद्वार में 333, टिहरी में 102, अल्मोड़ा में 20 और पौड़ी में 14 लोगों पर डेंगू डंक लग चुका है। लगातार सामने आ रहे डेंगू के नए मामलों से स्वास्थ्य विभाग की नींद अब भी उड़ी हुई है।

डेंगू की रोकथाम व बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग के अभी तक के सभी इंतजाम नाकाफी ही साबित हुए हैं। यह बात अलग है कि विभागीय अधिकारी हर अंतराल बाद दावा करते रहे हैं कि डेंगू से निपटने के लिए पूरी तैयारियां की गई हैं। दो दर्जन से अधिक टीमें प्रभावित क्षेत्रों में दौरा भी कर रही हैं और लोगों को डेंगू की बीमारी से बचाव के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग की ओर से घर–घर का सर्वे कर लार्वा की पहचान कर उसको नष्ट करने की बात भी दोहराई गई, लेकिन परिणाम सिफर ही रहा। क्योंकि हर रोज एक नहीं, बल्कि डेंगू के अनेक नए केस सामने आ रहे हैं। राज्य में 12 से अधिक मरीजों की जान भी डेंगू का मच्छर लील चुका है। मौसम में ठंडक की दस्तक के बाद भी मच्छर की सक्रियता बरकरार है। ऐसे में सहज अनुमान ही लगाया जा सकता है कि आने वाले दिनों में डेंगू का मच्छर और कितना कहर बरपा सकता है। कुल मिलाकर डेंगू का डंक गहराता ही जा रहा है। ऊंची चोटियों पर हिमपात होने से मैदानी इलाकों में भी सुबह व शाम को ठंड की दस्तक हो चुकी है। इसके बाद भी एडीज मच्छर निष्क्रिय नहीं हो रहा है।

चिकित्सकों का कहना है कि वातावरण में पारा का स्तर लुढ़कने के साथ ही डेंगू मच्छर की सक्रियता भी स्वतः ही कमजोर पड़ जाती है। इस बार ऐसा भी नहीं हो रहा है। अगर स्थिति यही रही तो आने वाले दिनों में भी डेंगू के और नए मामले सामने आ सकते हैं।

उत्तराखंड सरकार का सहकारी विभाग के 12 स्टॉल लगें

तीन दिवसीय आईआईसीटीएफ का उद्घाटन

संवाददाता

देहरादून/नई दिल्ली । दिल्ली स्थित प्रगति मैदान में आयोजित तीन दिवसीय भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय सहकारी व्यापार मेला में उत्तराखण्ड के सहकारिता, उच्च शिक्षा, दुग्ध विकास एवं प्रोटोकॉल राज्यमंत्री(स्वतंत्र प्रभार) डॉ. धन सिंह रावत ने प्रतिभाग किया। केन्द्रीय ग्रामीण विकास, कृषि और किसान कल्याण एवं पंचायती राज मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने दीप प्रज्वलित कर तीन दिवसीय भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय सहकारी व्यापार मेला(आईआईसीटीएफ) का उद्घाटन किया।

उत्तराखण्ड के राज्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने उद्घाटन समारोह के अध्यक्षीय भाषण में कहा कि सहकारी व्यापार मेला पहली बार नई दिल्ली में बड़े स्तर पर हो रहा है, इसमें 46 देशों के सहकारिता के सचिव, प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं।

उतराखण्ड के राज्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने कहा कि नई दिल्ली स्थित प्रगति मैदान में हर वर्ष कई मेले लगते हैं लेकिन पहली बार केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर की पहल पर ऐतिहासिक सहकारी मेला का आयोजन किया गया है। देश की राजधानी के लोगों को किसानों के हाथों के बनाये उत्पादों/प्रोडक्ट्स मिलेंगे। प्रगति मैदान मे कॉपरेटिव से संबंधित हर राज्य का स्टाल लगा है। उत्तराखंड सरकार का सहकारी विभाग के 12 स्टॉल लगें हैं। उन्होनें बताया कि उत्तराखंड भेड़ बकरी कॉपरेटिव फेडरेशन, उत्तराखंड मत्स्य कॉपरेटिव फेडरेशन, उत्तराखंड डेरी कॉपरेटिव फेडरेशन, उत्तराखंड राज्य समेकित सहकारी विकास परियोजना, उत्तराखंड राज्य सहकारी संघ, उत्तराखंड राज्य सहकारी बैंक, उत्तराखंड राज्य रेशम सहकारी फेडरेशन, उत्तराखंड लाइव स्टॉक डेवलपमेंट बोर्ड, स्वयत सहकारिता सुविधा संस्था द्वारा चार स्टाल लगाये गये हैं। जिसमें आर्गेनिक व पर्वतीय उत्पादो की बिक्री की जा रही है।

केन्द्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि सहकारिता में ग्रामीणों का अहम योगदान है।

शीशमबाड़ा प्लांट खिलाफ अनशनकारी के स्वास्थ्य में गिरावट

संवाददाता देहरादून। शीशमबाड़ा सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट के खिलाफ चौथे दिन भी अनशन जारी रहा। अनशनकारी के स्वास्थ्य में गिरावट आने लगी है। चिकित्सकों की टीम ने बुधवार देर रात अनशनकारी का स्वास्थ्य जांचा। इसमें अनशनकारी का वजन दो किलो कम मिला। साथ ही शरीर में पानी की कमी पाई गई।

उधर, अनशनकारी के समर्थन में एक उत्तराखंड आंदोलनकारी सहित दो लोगों ने क्रमिक अनशन किया। स्थानीय लोगों ने धरना प्रदर्शन कर शासन प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। शीशमबाड़ा प्लांट के खिलाफ सतपाल धानियां का चौथे दिन भी आमरण अनशन जारी रहा। धानियां के समर्थन में उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी अभिषेक जुयाल और भगवान सिंह राठौर ने क्रमिक अनशन किया।

उधर, ग्रामीणों ने आंदोलन स्थल पर पहुंचकर सतपाल के समर्थन में धरना प्रदर्शन किया। कहा कि शीशमाबाड़ा प्लांट क्षेत्र के लोगों के लिए अभिशाप बनकर रह गया है। प्लांट से निकल रही दुर्गंध के कारण क्षेत्र में बीमारियों का खतरा बना हुआ है।

न्यूज डायरी

बाल बनिता आश्रम में अनाथ बच्चों को खाद्य सामग्री वितरित की

संवाददाता देहरादून। महानगर अध्यक्ष लाल चंद शर्मा के नेतृत्व में कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने तिलक रोड स्थित बाल बनिता आश्रम में अनाथ बच्चों के साथ समय गुजारते हुए खाने–पीने की सामग्री वितरण की। साथ ही बच्चों का मनोबल बढ़ाया। बच्चों ने कार्यकर्ताओं के साथ खूब मौज–मस्ती की। कार्यकर्ताओं ने बच्चों के बीच चौकलेट व खाद्य सामग्री वितरण की। बच्चों ने तालियां बजाकर आगंतुकों का स्वागत किया। इस दौरान महानगर अध्यक्ष लाल चंद शर्मा ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने तिलक मार्ग स्थित श्रद्धानंद बाल वनिता आश्रम की आधारशिला रखी थी। इसके लिए महात्मा गांधी 16 अक्तूबर 1929 को दून आए थे। उन्होंने कहा इस तरह अनाथ आश्रम में जाकर के बच्चों के बीच प्यार बांटने से एक अलग सी अनुभूति होती है। बच्चों का साथ दिल के अंदर के भाव को पैदा करता है। कहा कि कांग्रेस पार्टी द्वारा कई सामाजिक कार्य भी और किए जाएंगे। उन्होंने आम लोगों से भी ऐसे बच्चों के लिए मदद करने की अपील की।

दूसरी बार कंट्रोल रूम की लापरवाही पर बिफरे आइजी

संवाददाता देहरादून। साढ़े तीन महीने के भीतर लूट की दूसरी वारदात की सूचना फ्लैश करने में पुलिस कंट्रोल रूम की लापरवाही पर आइजी गढ़वाल अजय रौतेला ने कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने एसएसपी, एसपी सिटी व सिटी क्षेत्र के थानेदारों को तलब करते हुए इसमें सुधार लाने और कंट्रोल रूम को सूचनाओं की गंभीरता को समझने के लिए प्रशिक्षित करने का निर्देश दिया।

पेरू के प्रोडक्ट्स की तेजी से बढ़ रही है मांग

संवाददाता देहरादून। दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते लैटिन अमेरिकी देशों में शामिल पेरू अपने उत्पादों की बड़ी शृंखला का भारतीय निर्यात बढ़ाने की तैयारी में है। एशिया के बड़े हिस्से में पेरू का निर्यात कारोबार फैलाने की दिशा में यह बड़ा कदम होगा। निर्यात के अपने नवीनतम मास्टर प्लान में पेरू ने प्राथमिकता के देशों में भारत को प्रमुखता दी है। पेरू से भारत मुख्यतः कॉपर, सोना, कैल्सियम फास्फेट, जिंक और लेड मिनरल्स, फिश फ्लोर, सिंथेटिक केबल, ताजे अंगूर और कोकोआ बीन्स का आयात करता है। पेरू दुनिया के सबसे बड़े 10 खाद्य सामग्री आपूर्ति करने वालों में एक है और कृषि क्षेत्र से अपने निर्यात को बढ़ावा देने के लिए इसने 'सुपर फूड्स पेरू' जैसी खास कैटेगरी की पहचान की है।